एम ए [ ] / एम एस सी [ ] – योग विज्ञान एवं आयुर्वेद (YSA)
(परिणाम आधारित पाठ्यक्रम)

कोर्स		क्रेडिट्स	मूल्यांकन के अंक (वाह्य + आंतरिक)
सत्र I			
मूल विषय : 1	योग के आधारभूत तत्व	4	60+40
मूल विषय : 2	आयुर्वेद के आधारभूत सिद्धान्त	4	60+40
मूल विषय : 3	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान	4	60+40
मूल विषय : 4	आयुर्वेदीय आहार चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय : 5	सुजोक एक्युप्रेशर, मर्म विज्ञान एवं प्राणिक हीलिंग	4	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 1	योग प्रायोगिक	3	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 2	सुजोक एक्युप्रेशर, मर्म विज्ञान एवं प्राणिक हीलिंग प्रायोगिक	2	30+20
कौशल संवर्धन	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र II			
मूल विषय : 6	मनोविज्ञान के मूल सिद्धांत एवं मानसिक स्वास्थ्य	4	60+40
मूल विषय : 7	योग चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय : 8	रोग विज्ञान	4	60+40
मूल विषय : 9	मर्म चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 3	योग प्रायोगिक	3	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 4	मर्म चिकित्सा प्रायोगिक	2	30+20
कौशल संवर्धन	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र III			
मूल विषय : 10	पंचकर्म चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय : 11	समकालीन योगिक मॉडल	4	60+40
मूल विषय : 12	अनुसंधान कार्यप्रणाली और सांख्यिकी	4	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 5	योग प्रायोगिक	3	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 6	पंचकर्म प्रायोगिक	2	30+20
विषय विशेष ऐच्छिक: 1/2	आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर और डिवाइन मेरिडियन / एडवांस प्राणिक हीलिंग तकनीक	4	60+40
विषय विशेष ऐच्छिक प्रयोगात्मक: 1/2	आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर और डिवाइन मेरिडियन प्रायोगिक / एडवांस प्राणिक हीलिंग तकनीक प्रायोगिक	2	30+20
कौशल संवर्धन	जीवन प्रबन्धन	2	100
सत्र IV			
मूल विषय : 13	यज्ञ चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय : 14	द्रव्य गुण एवं एकौषधि चिकित्सा	4	60+40
मूल विषय : 15	परियोजना	6	100
मूल विषय प्रयोगात्मक: 7	योग प्रायोगिक	3	60+40
मूल विषय प्रयोगात्मक: 8	यज्ञ चिकित्सा प्रायोगिक	2	30+20
मूल विषय प्रयोगात्मक: 9	द्रव्य गुण एवं एकौषधि चिकित्सा प्रायोगिक	2	30+20
विषय विशेष ऐच्छिक: 3/4	योग एवं सामरिक प्रबंधन / योगिक मनोचिकित्सा एवं परामर्श	4	60+40
कौशल संवर्धन	जीवन प्रबन्धन	2	100

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

अवधि
दो वर्ष

प्रवेश
लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर

अर्हताएँ
किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से 10+ 2+ 3 पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण

आयु सीमा
अधिकतम 30 वर्ष

उद्देश्य
इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य योग और आयुर्वेद पद्धतियों की दार्शनिक व व्यावहारिक जानकारी देना व साथ ही प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूक करना है ताकि आने वाले समय में विद्यार्थी विभिन्न स्वास्थ्य क्षेत्रों में अपनी सेवा समाज को दे सकें व इसमें नए अनुसंधान कर सकें। *(यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि ये विद्यार्थी केवल इस कार्यक्रम को पूरा करने से आयुर्वेदिक डॉक्टरों के रूप में सेवा करने में सक्षम नहीं होंगे।)*

'एकविध प्रवेश बहुविध निकास' विकल्प ('सिंगल एंट्री मल्टीपल एग्जिट' विकल्प)
इस कार्यक्रम में छात्र के पास सिंगल एंट्री, लेकिन मल्टीपल एग्जिट का विकल्प होगा; उसकी प्रकृति इस प्रकार होगी:
अ) प्रथम सेमेस्टर पास करने के बाद विद्यार्थी 'योग विज्ञान एवं आयुर्वेद' (YSA) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करके जा सकता है। इस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि परास्नातक कार्यक्रम की आरंभ तिथि से 1 वर्ष होगी।
ब) पहले और दूसरे सेमेस्टर में उत्तीर्ण होने के बाद विद्यार्थी 'योग विज्ञान और आयुर्वेद' (YSA) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करके जा सकता है। इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि परास्नातक कार्यक्रम की आरंभ तिथि से 2 वर्ष होगी।

रोजगार के अवसर
समग्र स्वास्थ्य प्रबन्धक
गैर सरकारी संगठनों के साथ
सरकारी संगठनों के साथ
शैक्षणिक संस्थानों के साथ
स्व रोजगार
योग चिकित्सक (पारंपरिक चिकित्सा में अतिरिक्त विशेषज्ञता के साथ)